अरावली जंगल सफारी

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के [पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव](#) मंत्री ने लोगों से [विश्व वन्यजीव दिवस](#) पर लुप्तप्राय वन्यजीवों की रक्षा करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। **विश्व वन्यजीव दिवस** पर सफारी शुरू करने के लिये **जंगल सफारी** और **अरावली ग्रीन वॉल परियोजना** के प्रयास चल रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **सफारी परियोजना का क्रियान्वयन:**
  - प्रारंभ में सफारी परियोजना के लिये पर्यटन विभाग ज़िम्मेदार था, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अब इसका क्रियान्वयन वन एवं वन्यजीव विभाग को सौंप दिया है।
  - विभाग इस परियोजना पर तेज़ी से प्रगति कर रहा है।
- **परियोजना नियोजन के लिये अध्ययन दौरे:**
  - मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के लिये **नागपुर (महाराष्ट्र) में गोरेवाड़ा वन्यजीव सफारी** और **जामनगर (गुजरात) में वंतारा परियोजना का दौरा किया।**
- **अरावली ग्रीन वॉल परियोजना:**
  - इस परियोजना का उद्देश्य हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में 1.15 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भूमि को पुनर्स्थापित करना है, जिससे बहु-राज्यीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।
- **प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं:**
  - देशी वृक्ष प्रजातियों के साथ वनरोपण
  - जैवविविधता संरक्षण
  - मृदा स्वास्थ्य बहाली
  - भूजल पुनर्भरण में वृद्धि

विश्व वन्यजीव दिवस

- यह दिवस 2013 से हर वर्ष 3 मार्च को मनाया जाता है।
- **यह तिथि** [वन्य जीव और वनस्पति की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES)](#) के दिन से मेल खाती है, जिस पर वर्ष 1973 में हस्ताक्षर किये गए थे।
- [UNGA (महासभा) के प्रस्ताव ने सीआईटीईएस सचिवालय को यूएन (संयुक्त राष्ट्र)](#) कैलेंडर पर वन्यजीवों के लिये इस विशेष दिन के वैश्विक पालन के लिये सुविधाकर्ता के रूप में भी नामित किया।

महत्त्व:

- यह **संयुक्त राष्ट्र [सतत विकास लक्ष्य](#) 1, 12, 14 और 15 के अनुरूप है, तथा गरीबी** उन्मूलन, संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित करने, तथा जैवविविधता की हानि को रोकने के लिये भूमि और जल के नीचे जीवन के संरक्षण पर उनकी व्यापक प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।
- हमारा ग्रह इस समय [जैवविविधता की हानि](#) की चुनौती का सामना कर रहा है और यदि असंतुलित मानवीय गतिविधियों, [जलवायु परिवर्तन](#) और आवास क्षरण पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले दशकों में दस लाख से अधिक प्रजातियाँ लुप्त हो सकती हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aravali-jungle-safari